>

Title: Need to increase wages being paid under the Mahatama Gandhi National Rural Employment Guarantee Scheme.

श्री मनसुखभाई डी. वसावा (भरूच): मेरे संसदीय क्षेत्र भरूच में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत कुँओं की खुदाई, तालाब निर्माण कार्यों, सड़क निर्माण कार्यों इत्यादि में जो मजदूर काम करते हैं उनको जो मजदूरी मिलती है वह बढ़ती महंगाई के हिसाब से बहुत कम है। मनरेगा में काम करने वाले मजदूरों की मजदूरी बढ़ाने के लिए डी.आर.डी.ए. की बैठक में और जिला विकास की बैठकों में इस विषय को कई उठाया गया है, परंतु उसके बाद मजदूरी नहीं बढ़ाई गयी है। आज शहरों में एक मजदूर को तीन सौ रूपये दैनिक मजदूरी भुगतान होता है और राजमिस्त्री को साढ़े चार सौ रूपये दैनिक भुगतान हो रहा है। मेरे संसदीय क्षेत्र में मनरेगा में काम करने वाले मजदूर आदिवासी एवं गरीब परिवार से होते हैं और श्रम शक्ति से गांव के विकास में योगदान देते हैं। गाँव के विकास के लिए सड़क, तालाब और गाँव के विकास संबंधी कार्य करता हैं। उनको वर्तमान समय की महंगाई में अपना जीवन चलाने के लिए मजदूरी का बढ़ना अति आवश्यक है। जो लोग खेतों में काम करते हैं उनको 100 रूपये से ज्यादा काम करने के बाद तुंत मिल जाता है जिसके कारण मनरेगा में काम करने के लिए कोई आकर्षण नहीं रह जाता है। साथ ही साथ अनुरोध है कि मजदूरी के बढ़ने के साथ हर सप्ताह के अंत में उनका भुगतान बैंकों के माध्यम से हो जाना चाहिए।

सरकार से अनुरोध है कि महत्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगासर गारंटी योजना के अंतर्गत काम करने वाले मजदूरों की मजदूरी को बढ़ाया जाये और एक सप्ताह के अंदर उनकी मजदूरी का भुगतान कर दिया जाये।